

केनरा बैंक, प्रधान कार्यालय, बेंगलूर में हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति(बैंक) बेंगलूर के तत्वावधान में केनरा बैंक, प्रधान कार्यालय, बेंगलूर द्वारा दिनांक 30 जनवरी, 2020 को केनरा बैंक, प्रधान कार्यालय सभागार में 'विश्व हिंदी दिवस' के उपलक्ष्य में 'हिंदी कवि सम्मेलन' का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता श्री एल वी आर प्रसाद, मुख्य महा प्रबंधक, मानव संसाधन विभाग, प्रधान कार्यालय, बेंगलूर ने की। इस कवि सम्मेलन में बेंगलूर नगर के सुविख्यात कविगण श्री ज्ञान चंद 'मर्मज्ञ' डॉ. संतोष कुमार मिश्रा, श्री केशव कर्ण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सम्मेलन में श्री के रस्तोगी, उप महा प्रबंधक एवं नराकास(बैंक) प्रतिनिधि, बैंक ऑफ बड़ौदा, श्री एच एम बसवराज, सहायक महा प्रबंधक, मानव संसाधन विभाग, केनरा बैंक, प्रधान कार्यालय, डॉ. सैय्यदा अफजल उन्नीसा, सहायक महा प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, श्रीमती सी एस पद्मसुधा, सदस्य सचिव नराकास(बैंक) बेंगलूर एवं मुख्य प्रबंधक, अंचल कार्यालय, बैंक ऑफ बड़ौदा, बेंगलूर एवं हमारे बैंक के अन्य कार्यपालकगण उपस्थित रहे। साथ ही विभिन्न बैंकों के स्टाफ सदस्य भी उपस्थित थे। प्रधान कार्यालय के विभिन्न विभागों के स्टाफ सदस्यों ने उपस्थित रहकर कविताओं का आनंद लिया।

कवि सम्मेलन की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं हमारे बैंक के संस्थापक एवं महान दूरदृष्टा श्री अम्मेम्बल सुब्बा राव पै जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पण से किया गया। श्रीमती रश्मि अनूप बाल, केनरा बैंक ने ईश वंदना प्रस्तुत किया। श्री एच एम बसवराज, सहायक महा प्रबंधक, मानव संसाधन विभाग ने हिंदी कवि सम्मेलन के अध्यक्ष श्री एल वी आर प्रसाद, मुख्य महा प्रबंधक, मानव संसाधन विभाग तथा मुख्य अतिथिगणों, उपस्थित नराकास(बैंक) बेंगलूर के प्रतिनिधियों के साथ सभी कार्यपालकों, स्टाफ सदस्यों एवं कविता प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों का स्वागत किया। श्रीमती वी श्रीलक्ष्मी, वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा अनुभाग, मानव संसाधन विभाग, केनरा बैंक द्वारा मुख्य अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर केनरा बैंक की छमाही हिंदी पत्रिका 'केनरा ज्योति' के 23वें अंक का विमोचन गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया। इसी क्रम में कवि सम्मेलन में प्रतिभागी कवियों के कविता संग्रह 'काव्यांजलि' का भी विमोचन गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया।

सुबह-सवेरे जब उठता हूँ, दफ्तर जाने के लिए, मुश्किल से वक्त निकालता हूँ, रोटी खाने के लिए, अगर पैरों में लगते पत्थर के टुकड़ों पर चल सकते हो, तभी मेरे दरवाजे पे आना, सबसे सुंदर सबसे न्यारा, प्यारा भारत देश हमारा, जीवन को यूँ ही व्यर्थ न काटें, हम जीवित हैं, जरा मुस्कान बाँटें, मेरे देश के वीर जवान, बेशक तुम और देश महान, स्याह रात के सन्नाटे में है कराहती मानवता आदि कविताओं का सम्मेलन में विभिन्न बैंकों के

"हिंदी अपनाएं, कारोबार में वृद्धि लाएं"

उपस्थित 28 प्रतिभागियों द्वारा पाठ किया गया। कवि सम्मेलन में आमंत्रित कवियों ने अपने ओजपूर्ण कविता पाठ द्वारा श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

श्रीमती सी एस पद्मसुधा, सदस्य सचिव नराकास(बैंक) बेंगलूरु ने श्रेष्ठ छह 'बैंक कवियों' के नाम की घोषणा की।

श्री विबिन वर्गीस, प्रबंधक, राजभाषा अनुभाग ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मंच संचालन श्री अजय कुमार मिश्र, प्रबंधक(राजभाषा), अंचल कार्यालय बेंगलूरु एवं श्री अवनीकांत सिंह, राजभाषा अधिकारी द्वारा किया गया।

दीप प्रज्वलन



"हिंदी अपनाएं, कारोबार में वृद्धि लाएं"

केनरा बैंक
भारत सरकार का उपक्रम



Canara Bank
A Government of India Undertaking
Together We Can

पुष्पगुच्छ से स्वागत



सहायक महा प्रबंधक द्वारा स्वागत संबोधन



"हिंदी अपनाएं, कारोबार में वृद्धि लाएं"

केनरा बैंक
भारत सरकार का उपक्रम



Canara Bank
A Government of India Undertaking
Together We Can

केनरा ज्योति के 23वें अंक का विमोचन



'काव्यांजलि' का विमोचन



"हिंदी अपनाएं, कारोबार में वृद्धि लाएं"



विभिन्न बैंक के स्टाफ सदस्यों द्वारा कविता पाठ



"हिंदी अपनाएं, कारोबार में वृद्धि लाएं"

सामूहिक छायाचित्र



! धन्यवाद !

"हिंदी अपनाएं, कारोबार में वृद्धि लाएं"